[This question paper contains 6 printed pages.]

7993

Your Roll No. .....

आपका अनुक्रमांक .....

LL.B./VI Term **ES**

Paper LB–6048 : HUMAN RIGHTS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **five** *questions.*
All *questions carry equal marks.*

कुल **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*
***सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

1. (a) "Human rights differ from other moral rights in being the rights of all people at all times and in all situations."

How far do you agree with the above statement ? What parameters will you use to distinguish human rights from other moral rights ? Explain.

(b) The modern concept of human rights is of western origin. Discuss the applicability of this concept in the context of non-western societies keeping in mind the concepts of universality of human rights and cultural relativism. (20)

(क) "मानव अधिकार सर्वजनीन, सर्वकालिक और सर्वस्थितिक होने में अन्य नैतिक अधिकारों से भिन्न होते हैं।"

उपर्युक्त कथन से आप कहां तक सहमत हैं। मानव अधिकारों को अन्य नैतिक अधिकारों से सुभेदित करने के लिए आप किन प्राचलों का प्रयोग करोगे ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) मानव अधिकारों की आधुनिक संकल्पना का उद्‌गम पाश्चात्य है। मानव अधिकारों तथा सांस्कृतिक सापेक्षवाद की सर्वव्यापकता की संकल्पनाओं को ध्यान में रखते हुए पाश्चयात्येतर समाजों के प्रसंग में इस संकल्पना की अनुप्रयुक्तता का विवेचन कीजिए।

2. State and critically analyse the implementation mechanisms available in the treaties which constitute

the International Bill of Human Rights. What suggestions would you give to enhance the implementation mechanisms of those treaties ? (20)

जो सन्धियां अन्तरराष्ट्रीय मानव अधिकार विधेयक की घटकांग है उनमें उपलब्ध कार्यान्वियन तंत्र का उल्लेख और समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। उन संधियों के कार्यान्वयन तंत्र को संवर्धित करने के लिए आप क्या सुझाव दोगे ?

3. (a) "An internal armed conflict in a state is a situation of state emergency. And such state emergency is a justified ground for a State to suspend most of the human rights provisions which are legally recognised in that State."

In the light of the above statement, examine the significance of International Humanitarian Law in the protection of vulnerable people during armed conflict situation.

(b) Explain how far the four Geneva Conventions of 1949 are relevant for protection of civilian population. (20)

(क) "किसी राज्य में आन्तरिक सशस्त्र संघर्ष उस राज्य में आपातकाल की स्थिति होती है। और ऐसा राज्य अपात्काल राज्य के लिए अधिकांश मानव अधिकार उपबंधों को निलम्बित करने का औचित्यपूर्ण आधार है जो उस राज्य में विधिकत: मान्यताप्राप्त हैं।"

उपर्युक्त कथन को ध्यान में रखते हुए सशस्त्र संघर्ष की स्थिति के दौरान सहजभेद्य लोगों के संरक्षण में अन्तरराष्ट्रीय मानवीय विधि की सार्थकता की जांच कीजिए।

(ख) सिविलियन जन संख्या के संरक्षण हेतु 1949 की चार जेनेवा कन्वेंशन कहां तक सुसंगत हैं, स्पष्ट कीजिए।

4. (a) India has neither a domestic legislation for determination of refugee status nor it is a state party to the UN Convention Relating to the status of Refugees 1951. In such a scenario, how the principle of 'non-refoulement' is guaranteed in India to those asylum seekers who face persecution in their country of origin or habitual residence.

(b) If you are asked to draft a definition of "refugee" to be used in the Indian context for determination of refugee status, what features will you include in the definition and why? (20)

(क) भारत के पास शरणार्थी प्रास्थिति के अवधारण हेतु न तो आंतरिक विधान है और न ही भारत 1951 की शरणार्थी प्रास्थिति सम्बन्धी यू. एन. कन्वेंशन का राज्य पक्षकार है। ऐसे परिदृश्य में उन शरण चाहने वालों के लिए भारत में 'Non-Refoulement' के सिद्धान्त की किस प्रकार गारन्टी दी जाती है जो अपने मूल देश में सताए गए हैं या आभ्यासिक निवास चाहते हैं।

(ख) यदि आपसे शरणार्थी प्रास्थिति के अवधारण हेतु भारतीय प्रसंग में प्रयुक्त किए जाने के लिए 'शरणार्थी' की परिभाषा का प्रारूप तैयार करने के लिए कहा जाता है तो आप परिभाषा में किन विशेषताओं को सम्मिलित करोगे और क्यों ?

5. How has the judiciary promoted and expanded the protection of human rights in India. Discuss citing cases. (20)

भारत में न्यायपालिका ने मानव अधिकारों के संरक्षण को किस प्रकार संवर्धित तथा विस्तृत किया है। केसों का हवाला देते हुए विवेचन कीजिए।

6. How far has the Juvenile Justice (Care and Protection) Act 2000 incorporated the principles of United Nations Standard Minimum Rules for Administration of Juvenile Justice (Beijing Rules) ? Give reasoned opinion as to whether there is a need to reduce the age of 'juvenile' in this Act. (20)

किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2000 ने यूनाइटिड नेशन्स स्टेंडर्ड मिनिमम रूल्स फॉर एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ जुवेनाइल जस्टिस (ब्रिन्गिग रूल्स) के सिद्धान्तों को कहां तक समाविष्ट किया है। इस बारे में तर्कपूर्ण मत दीजिए क्या इस अधिनियम में 'किशोर' की आयु को कम करने की आवश्यकता है ?

7. Discuss the credibility of National Human Rights Commission (NHRC) as a promoter and protector of human rights in India. What are its functions ? How does NHRC take up complaints against Armed forces ? (20)

भारत में मानव अधिकारों के संवर्धक और संरक्षक के रूप में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की विश्वसनीयता का विवेचन कीजिए। इसके क्या कृत्य हैं ? सशस्त्र बलों के विरूद्ध शिकायतों पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग किस प्रकार कार्रवाई करता है ?

8. Write short notes on **any two** :–

(i) European Convention on human rights with special reference to the implementation mechanisms.

(ii) Extraordinary laws vis-a-vis human rights.

(iii) Legal status of Universal Declaration of Human Rights 1948. (20)

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) कार्यान्वयन तंत्र के विशेष निर्देश सहित मानव अधिकारों पर यूरोपियन कन्वेंशन।

(ii) मानव अधिकारों के बमुकाबले असाधारण विधियां।

(iii) यूनीवर्सल डेकलेरेशन ऑफ ह्यमन राइट्स, 1948 की विधिक प्रास्थिति।

(100)